| EDITOR AND PROPRIETOR |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  | and runntig down their own opponents. which very cold fits are followed by others <br> At length aays the Hoosier: why, ye never equally hot. The man who is pointed at <br> 'Why onr land is so tich - why, ye  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  <br>  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  | ken by musquitos as big ano oysters', |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  | rocks, each, on 'em letting a sheep down by ged! Hope, as she wandered on her deso-the hind leg in among the rocks to feed.- late way, let fall her torch, and death extin-And in another place the saw the farmers guished it. |  |  |
|  |  |  |  |
|  | $\qquad$ |  |  |
|  |  |  |  |
|  | man I ever see from the west that did'nt die joicing, and sonte are bitterly weeping overof fever n'agur; let's see if you know as the change that one year has wrought. Tears |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  | - |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  | and they all perished.' 'The trees grow so large that I onee knew he deemed worthy of notice. She was the |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  | use, old Yankee, we can the Yankee gave up beat, and suddenly $\begin{aligned} & \text { On one side of the hall, opposite the pario } \\ & \text { door, she had drawn another door, half open } \\ & \text { cleared out. }\end{aligned}$ |  |  |
|  |  |  |  |
|  | ADICE OF THE CHI- Pepping int hit hanl) Look tor |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  | Nomen |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
| preening not toee you-doun gos your |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  | eating. Begin your meale with a liulf a, mend wath your mouth witre enp of it |  |  |
|  | l pleasures of sense; for all excess weak- is not merely a beautifnl idea, but a truth |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  | , |
|  | and a warin bath or after hard labor, do not apinion, slie is a fir sobject for the patronage of a gentleman in Cineinnrti. whose encourage- |  |  |
|  | xpose your body to cold. If in the spring ment of the aris almere sheuld be two or thice hof days. do taste and librality. |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |

